वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 196 | रविवार 12 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आसमां से जमीं पर उतरे सितारे...

गुलाबी नगरी में दीपावली पर पूरा शहर दुल्हन की तरह सज गया है और यह सुंदर सजावट ऐसे लग रही है मानो पूरे आकाश के सितारे नीचे उतर आए हों। राजा पार्क का आकर्षक दृश्य।

अयोध्या में 7वां दीपोत्सवः 22 लाख दिए जलाने का रिकॉर्ड बना

8 ड्रोन से की गई दीपों की गिनती; लेजर शो-होलोग्राफिक रामायण हुई

अयोध्या. शाबाश इंडिया

अयोध्या राममय है। 7वें दीपोत्सव पर सरयू नदी के किनारे 51 घाटों पर 24 लाख दीप जलाए गए। 22 लाख 23 हजार दीप जलाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। होलोग्राफिक लाइट के जरिए महर्षि वाल्मीकि की राम की कथा सुनाई गई। 24 लाख दीपों को जलाने के लिए 1 लाख 5 हजार लीटर सरसों तेल का इस्तेमाल किया गया है। 54 देशों के राजदूत भी दीपोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे हैं। दीपों की गिनती के लिए 8 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। पिछली बार सरयू तट पर 15 लाख 76 हजार दीप जलाने का कीर्तिमान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। इससे पहले सुबह श्रीराम के अयोध्या आगमन को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाते हुए भव्य शोभायात्रा निकली गई। दोपहर में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण पुष्पक विमान (हेलिकॉप्टर) से अयोध्या पहुंचे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी सभी का स्वागत किया। इसके बाद प्रभु राम को रामकथा पार्क लाया गया। यहां भगवान राम का राज्याभिषेक हुआ। सीएम योगी ने राम का राज तिलक किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 2017 में जब दीपोत्सव का कार्यक्रम शुरू हुआ था। तब आप लोगों का उत्साह देखकर ऐसा लगता था। जैसे हर व्यक्ति की एक ही तमन्ना है।

ARL
ARL Infratech Ltd.
इस बार की दीवाली कुछ
यादगार बनाते हैं
खुद से जुड़े हर व्यक्ति को,
अपनेपन का एहसास
दिलाते हैं!
ARL परिवार की ओर से
शुभ दीपावली
अंकुर रूफिंग शीट्स
AEROTUFF
LIGHT | STRONG | ADVANCED
AAC Blocks
अंकुर
फाइबर सीमेन्ट बोरवैल पाईप्स
SPECTA
QUARTZ SURFACES
Corporate Office: "Akshat House" A-27 / 13-A, Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur-302016.
Tel. : 0141-6604777, arl@arlinfratech.com
Marketing Office : 'Akshat Heights' 601, 6th Floor, D-91 Madho Singh Road,
Bani Park, Jaipur - 302016, Tel.: 0141-6606777 sales@arlinfratech.com
https://www.facebook.com/ARLInfratech https://www.youtube.com/c/ARLInfratechltd www.arlinfratech.com

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
Sunil jain
9828012800
Renu jain
8696212800
Santosh Gupta
9414050191
BNI PROUD MEMBER
May i help you
Term & General Insurance Consultants
Office: 303, Siddhi vinayak, Ashok Marg, Near Ahinsa Circle,
C-Scheme, Jaipur Ph.: 0141-2372893, 2378187

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. एम एल जैन 'मणि'
डॉ. शान्ति जैन 'मणि'
अध्यक्ष
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर
डॉ. मनीष जैन 'मणि'
डॉ. अलका जैन
एवं समस्त एम्बीशन
किड्स एकेडमी परिवार

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
संरक्षक
श्रीमती चंदा सेठी
अध्यक्ष
श्रीमती रेखा लुहाड़िया
मंत्री
श्रीमती रानी सौगानी
उपाध्यक्ष
श्रीमती रेणु पाण्ड्या
संयुक्त मंत्री
श्रीमती रितु चाँदवाड़
कोषाध्यक्ष
श्रीमती वर्षा अजमेरा
सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती सीमा सेठी
सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती रेखा पाटनी
प्रचार-प्रसार मंत्री
श्रीमती मोना चांदवाड
आहारचर्या मंत्री
श्रीमती प्रेम देवी बाकलीवाल
आहारचर्या मंत्री
श्रीमती सुशीला काला
कार्यकारिणी सदस्य
श्रीमती छवि जैन
श्रीमती सुनीता पाटोदी
श्रीमती पुष्पा गंगवाल
श्रीमती रानी बोहरा
श्रीमती नीरू पाण्ड्या
श्रीमती संगीता काला
श्रीमती शिल्पी काला
श्रीमती प्रीती पाटनी
श्रीमती सुशीला कासलीवाल
श्रीमती सीमा बाकलीवाल
श्रीमती माया संगही
श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल
दुर्गापुरा, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
महावीर, मोना, मोनू, पूजा, गौरव, साक्षी,
मयूर, सोनल, तिलक, भरत कासलीवाल।
मयूर जेम्स एवं श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन एम.एम. यात्रा संघ

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
KUMKUM
PHOTOS
9829054966, 9829741147
Best Professional Wedding
Photographer In Jaipur
WWW.KUMKUMPHOTOSJAIPUR.COM

वेद ज्ञान

परमात्मा को शक्ति...

जब मनुष्य की सभी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं और वह स्वयं को लाचार महसूस करता है तब उसे परमात्मा की शक्ति पर भरोसा करना चाहिए। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य किसी भी क्षण चमत्कार कर सकता है। जो व्यक्ति प्रत्येक क्षण परमात्मा की शक्ति पर विश्वास बनाए रखते हैं वह कभी परेशान-हैरान नहीं रहते, बल्कि ऐसे व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की क्षमता रखते हैं। परमात्मा की शक्ति असीम होती है और इसके बल पर मनुष्य कुछ भी प्राप्त कर सकता है। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य असंभव लगने वाले कार्य को भी बेहद सरलता से हल कर सकता है। जब मनुष्य के मन में परमात्मा के प्रति भक्ति भाव जाग्रत होता है तो उसे कुछ भी अपने विपरीत लगता ही नहीं। ऐसे व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति का आनंद लेते हैं और यह मानते हैं कि प्रतिकूल परिस्थितियां भी उनके अनुकूल ही हैं। ऐसे में मनुष्य को लगता है कि प्रत्येक कार्य परमात्मा की इच्छा से ही हुआ है, इसलिए विपरीत परिस्थितियां भी जरूर उनके हित में होंगी। ऐसे व्यक्ति अपना सर्वस्व परमात्मा के ऊपर छोड़ देते हैं और उनके जीवन में बुरा समय भी आता है तो वे उसका मुकाबला धैर्य और साहस से करते हैं। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो भी मेरी शरण में आता है वह भवसागर पार कर लेता है। मनुष्य को हमेशा यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि उसके विकास का आधार आलस्य नहीं, बल्कि विषम परिस्थितियां हैं। इसलिए उसे विपरीत समय में संताप करने के बजाय डटकर उसका मुकाबला करना चाहिए। मनुष्य अपने धैर्य, साहस और बुद्धि के पराक्रम से किसी भी तरह की परिस्थिति का सामना कर सकता है। जो व्यक्ति स्वयं अपनी मदद करते हैं उन्हें ही परमात्मा की शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन के हर मोड़ पर सीखने का भाव और कठिन परिस्थिति को जीवन में आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में परमात्मा की शक्ति की आवश्यकता होती है। इसलिए उसे हमेशा परमात्मा को याद करते रहना चाहिए। फिर चाहे वह सुखमय जीवन जी रहा हो या फिर उसका जीवन संकट में हो। कवि कहता है कि दुख में हर कोई परमात्मा को याद करता है, लेकिन सुख में नहीं।

संपादकीय

आपराधिक मामले को जल्द निपटारे के लिए दिशानिर्देश जारी

संसद और विधानसभाओं को आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों से मुक्त करने के लिए बातें करने में शायद ही कभी कमी की गई हो, मगर जमीनी स्तर पर क्या किया गया है, वह विधायिका में ऐसे प्रतिनिधियों की मौजूदगी से पता चलता है। हालत यह है कि ऐसे नुमाइंदों पर जो मुकदमे चलते रहते हैं, उनकी सुनवाई की रफ्तार भी ऐसी होती है कि वर्षों तक उनके सांसद या विधायक बने रहने की स्थिति पर आंच नहीं आती। ऐसे दागी जनप्रतिनिधियों के मुकदमों के निपटारे को लेकर अक्सर सवाल उठने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन सकी है। हालांकि इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय पहले भी चिंता जता चुका है, मगर गुरुवार को अदालत ने फिर इसे लेकर सख्त रुख अख्तियार किया और सांसदों-विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले के जल्द निपटारे पर कई दिशानिर्देश जारी किए। यों शीर्ष अदालत ने निचली अदालतों को एक जैसा दिशानिर्देश देने को मुश्किल बताया, लेकिन यह

साफ कहा कि ऐसे मामलों के लिए उच्च न्यायालयों में एक विशेष पीठ गठित की जाए; निचली अदालतें सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की निगरानी के लिए स्वतः संज्ञान लें। दरअसल, ऐसे ज्यादातर मामलों में लेटलतीफी देखी जाती रही है और कई बार इसका मजबूत कारण नहीं होता है। इच्छाशक्ति के अभाव में मुकदमे लंबे समय तक लटकते रहते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाई कोर्ट आपराधिक मामलों में सांसदों-विधायकों के खिलाफ मुकदमों की स्थिति पर रिपोर्ट के लिए विशेष निचली अदालतों को बुला सकते हैं। इसके अलावा, केवल दुर्लभ कारणों को छोड़ कर संसद सदस्यों, विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई स्थगित नहीं की जाएगी। इस क्रम में पर्याप्त बुनियादी ढांचा और तकनीकी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। कहा जा सकता है कि इस समस्या को लेकर लंबे समय से सिर्फ चिंता जताने से आगे अब सुप्रीम कोर्ट के ये निर्देश समाधान की ओर बढ़ते कदम हैं। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार और संबंधित महकमे इन दिशानिर्देशों पर अमल के लिए कितनी इच्छाशक्ति रखते हैं। अपराध की दुनिया से चल कर संसद और विधानसभाओं में पहुंचने वाले लोगों की वजह से समूची व्यवस्था के दूषित होने को लेकर जताई जाने वाली चिंता के समांतर एक सवाल यह है कि इस प्रवृत्ति को खत्म करने के लिए जमीनी स्तर पर क्या किया जा रहा है। देश की राजनीति में हाथ आजमा कर संसद और विधानसभाओं में पहुंचने वाले आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के आंकड़े अक्सर सामने आते रहते हैं। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स यानी एडीआर ने अपनी एक रपट में बताया था कि करीब चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप वाले मामलों की संख्या पच्चीस फीसद है। उच्चतम न्यायालय की ताजा सख्ती के बाद अगर कोई ठोस पहलकदमी

परिदृश्य

नेताओं के साथ न्याय

सांसदों, विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए देश के सर्वोच्च न्यायालय का नया निर्देश सुखद और स्वागतयोग्य है। न्यायालय ने उच्च न्यायालयों को सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों की निगरानी के लिए विशेष पीठ गठित करने का निर्देश भी दिया है। अदालतों से कहा गया है कि दुर्लभ और बाध्यकारी कारणों को छोड़कर ऐसे मुकदमों की कार्यवाही कतई स्थगित न करें। न्यायालय का यह निर्देश उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों व विशेष न्यायालयों के लिए आया है। इन्हीं अदालतों में जन-प्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई होती है और यह बहुत दुखद है कि सुनवाई पूरी होने में वर्षों लग जाते हैं। भ्रष्टाचार या अपराध करने वाले प्रतिनिधि भी सुस्त अदालती कार्यवाही के चलते बार-बार चुनाव जीतते रहते हैं और सदनों में आते रहते हैं। ऐसा लगता है, ज्यादातर न्यायमूर्ति आमतौर पर नेताओं के खिलाफ चलने वाले मामलों को अधिक महत्व नहीं देते हैं। ऐसे में, उनके खिलाफ चलने वाले गंभीर मामलों की चर्चा समाज में जरूरत से कम होती है। अगर अदालतें उच्च स्तर पर अपराध के खिलाफ पूरी तरह सजग रहें, तो राजनीति का दामन निश्चित रूप से ज्यादा स्वच्छ हो सकेगा। देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा जारी निर्देश की रोशनी में पूरी न्यायपालिका बिरादरी को सक्रिय हो जाना चाहिए। नेताओं के खिलाफ शिकायत करने वालों की पीड़ा को समझना जरूरी है। सुनवाई में ज्यादा समय लगता है, तो शिकायत करने वाले को ज्यादा भय व तकलीफ से गुजरना पड़ता है। अनेक मामलों में इतनी देरी हो जाती है कि सुनवाई और फैसले का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता है। अनेक मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के अभाव में शिकायत की फाइलें भी आलमारियों में खो जाती हैं। अगर न्यायाधीश सांसदों और विधायकों के मामलों का स्वत संज्ञान लेने लगेंगे, तो वाकई देश में न्याय वितरण में यथोचित तेजी आएगी। ऐसे मामलों को न्यायालयों की वेबसाइट पर भी अलग से रेखांकित किया जाएगा, जिससे पता चलेगा कि किसके खिलाफ किस मामले में कब मुकदमा दर्ज हुआ और सुनवाई की क्या स्थिति है। सुनवाई में क्यों समय लग रहा है, स्पष्ट होना चाहिए। किसी मामले में अनावश्यक रूप से देरी हो रही है, तो लोगों को इसका भी पता चलना चाहिए। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के ये निर्देश एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आए हैं। 14 नवंबर, 2022 की एमिकस क्यूरी की नवीनतम रिपोर्टों में से एक के मुताबिक, वर्तमान व पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ 5,175 मामले दर्ज हैं और इनमें से 2,116 आपराधिक मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह बताने की जरूरत नहीं कि नेताओं के खिलाफ मामले घटने के बजाय बढ़ते चले जा रहे हैं। यह कानून के प्रति भय का अभाव है या सेवा में ईमानदारी का टोटा, स्वयं नेताओं को यह जरूर सोचना चाहिए। अंतत राजनीति में अपराध में होने वाली वृद्धि स्वयं नेताओं पर सर्वाधिक भारी पड़ने वाली है। बुनियादी रूप से गांव या कस्बों में जिस तरह की राजनीति होती है, उसी के लक्षण प्रदेश या देश स्तरीय राजनीति में उभरते हैं। मतलब, राजनीतिक सुधार के लिए बिल्कुल जमीनी स्तर पर रोकथाम और त्वरित न्याय के उपाय करने पड़ेंगे, ताकि कोई दागदार नेता कभी विधानसभा या संसद में न रहे।

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
जे.के. जैन कालाडेरा, डॉ. करेश-अलीशा, पुनीत-निधी,
विहान, युहान, आहान, आयरा पाटनी कालाडेरा वाले
नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
आदिनाथ मित्र मण्डल
सुनील जैन
अध्यक्ष
राकेश गोदिका
संरक्षक
विमल जैन
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजेन्द्र बाकलीवाल
मंत्री
संजय जैन 'आवां'
उपाध्यक्ष
साकेत जैन
उपाध्यक्ष
अशोक सेठी
संयुक्त मंत्री
अनिल जैन डोड्या
संयुक्त मंत्री
मुकेश जैन
कोषाध्यक्ष
कार्यकारिणी सदस्य : टीकम जैन, अशोक सोगानी, राजेन्द्र जैन बोरखंडी,
अनिल जैन (दोशी), अशीष शाह, अशोक जैन (आगरा रोड), पं. विनोद शास्त्री

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
राजस्थान जैन युवा
महासभा ग्रामीण महामंत्री
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय
क्षेत्र कोटखावदा प्रचार प्रसार मंत्री
पिंकसिटी बुलेटिन न्यूज
चैनल सह संपादक
शाबाश इंडिया समाचार पत्र
पत्रकार
मो. 7357465753
अमन जैन पत्रकार, कोटखावदा

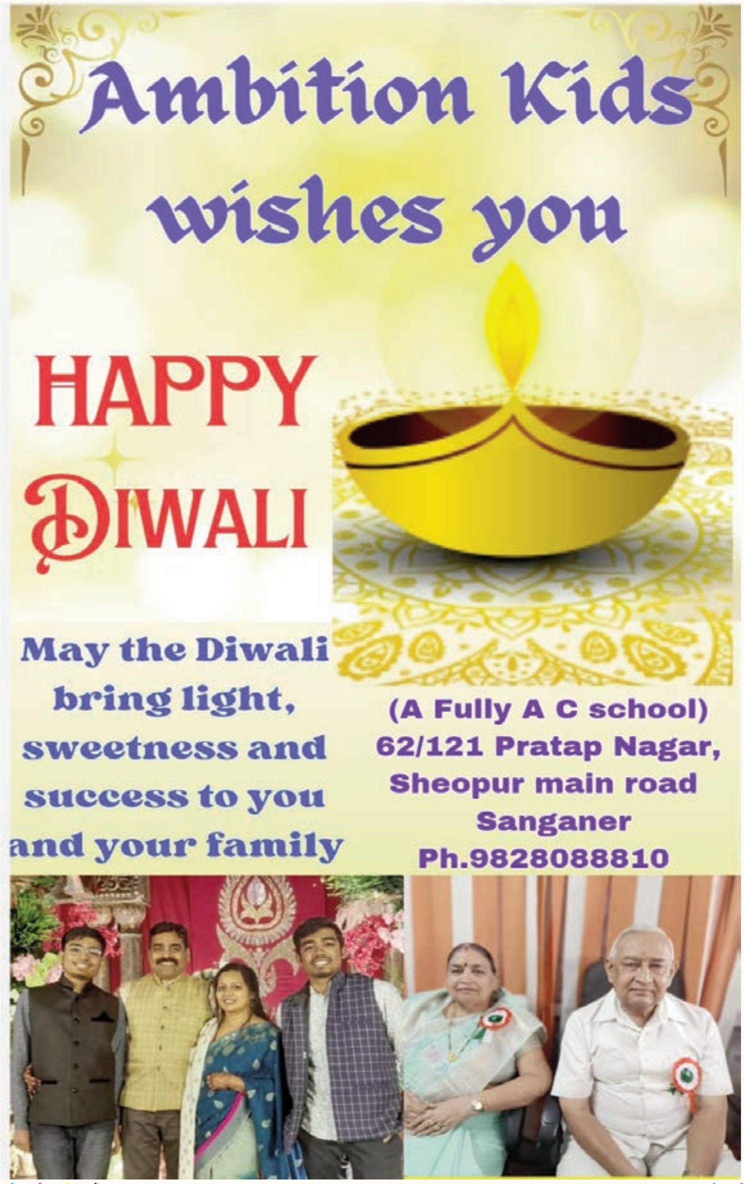
Ambition Kids
wishes you
HAPPY
DIWALI
May the Diwali
bring light,
sweetness and
success to you
and your family
(A Fully A C school)
62/121 Pratap Nagar,
Sheopur main road
Sanganer
Ph.9828088810

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
अध्यक्ष, जीएसजी, मानसरोवर
विनोद कुमार जैन
शास्त्री - ज्योतिषाचार्य
वास्तु, एवं जन्मपत्री विशेषज्ञ
Gungun Paradise Jewels
607, Nagorio Ka Chowk, Bordi Ka Rasta,
Kishan Pol Bazar Jaipur 302003
Vikram 9529490441, Manoj 9314527732

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
ज्ञानचन्द
कमला देवी झांझरी
पकंज-प्रीति झांझरी
बी-101, युनिवर्सिटी मार्ग, बापू नगर, जयपुर मो. 9829013094

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में भगवान महावीर स्वामी जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू 13 नवम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2550 वें मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सोमवार 13 नवम्बर 2023 को प्रातः 6.15 बजे प्रथम अभिषेक शांतिधाराकर्ता परिवार का चयन बोली द्वारा किया जाएगा।मंत्री राजेंद्र काला ने बताया कि प्रातः 6.30 बजे अभिषेक शांतिधारा, 7 बजे सामूहिक पूजा एवं 7.30 बजे सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। सभी से निवेदन है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ लें।

हरीपर्वत जैन मंदिर में हुआ तीन दिवसीय श्री भगवान महावीर स्वामी निर्वाण कल्याणक एवं दीपावली महोत्सव का शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया

11 नवंबर से हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य एवं श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री भगवान महावीर स्वामी निर्वाण कल्याणक एवं दीपावली महोत्सव का शुभारंभ हुआ। जिसकें पहले दिन भक्तों ने धनतेरस महोत्सव बड़े ही हर्षोंउल्लास के साथ मनाया गया। भक्तों ने सर्वप्रथम महोत्सव का शुभारंभ गुरूपूजन के साथ किया। साथ ही विभिन्न स्थानों से आए भक्तों ने मुनिवर के श्रीचरणों का पाद प्रक्षालन किया। इसके बाद बालिका ने बहुत सुंदर भजन गाकर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। तदपश्चात सौभाग्य शाली भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन किया। साथ ही बाहर से आए महानुभावों ने मुनिपुंगवश्री को शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।इसके बाद मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगलवाणी को संबोधित करते हुए भक्तों से कहा कि साधु को सूतक नहीं लग सकता मात्र मन में संकल्प के कारण ऐसा हुआ अंश वही है, लेकिन वंश खत्म हो गया मन के आनंद की कला जान जाओ तो धन्य हो जाओगे मंच का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल एवं समकित जैन द्वारा किया गयो इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएसी नीरज जैन जिनवाणी, निर्मल मोठया, पन्नालाल बैनाड़ा, जगदीशप्रसाद जैन हीरालाल बैनाड़ा, राजेश बैनाड़ा,अमित जैन बॉबी,विवेक बैनाड़ा,मीडिया प्रभारी शुभम जैन, अंकेश जैन,राकेश सेठी,यीतेंद्र जैन अनिल जैन,नरेश जैन,अक्षय जैन, राहुल जैन,समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बडी.संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन,आगरा

शांतिनाथ विधान का हुआ भव्य आयोजन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिप्रभु के चरणों शांतिविधान करने का सौभाग्य रमेश जी जैन नगरफोर्ट व श्रीमति कांता देवी वरुण पथ जयपुर वालों ने प्राप्त किया । बड़े ही भक्ति के साथ मंडल पर 120 अर्घ्य समर्पित किये गए । तत्पश्चात पूज्य माताजी के पाद - प्रक्षालन व शास्त्र भेंट का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पूज्य माताजी ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि संतों के दर्शन पुण्य से प्राप्त हुआ करते है। सूरज से दोस्ती करोगे तो सुबह से शाम, चांद से दोस्ती करोगे तो रात से सुबह तक और हम जैसे संतों से दोस्ती करोगे तो पहली मुलाकात से अंतिम मुलाकात तक। इन देव शास्त्र गुरु से मुलाकात करोगे तो पुण्य का संचय होगा। पुण्य आपके अतीत अनागत और वर्तमान को बदल सकता है। पूज्य माताजी ने कहा कि आज के समय में हम पुण्य से डरते हैं पाप से नहीं । हम पाप करने में घबराते नहीं डरते नहीं लेकिन पुण्य करने में डरते हैं। भोजन में हमें जीरा धनिया मिर्च तेल सब दिखता बस नमक नहीं दिखाई देता जबकि भोजन को स्वादिष्ट वहीं बनाता है। वैसे ही देव शास्त्र गुरु की सेवा करने से ये पुण्य जुड़ता है भले वह दिखाई न दे पर फल अवश्य मिलता है।

भीतर के अंधकार को प्रकाश में बदलने का पर्व है दिपावली: महासती धर्मप्रभा

चैन्नई. शाबाश इंडिया

दीपावली प्रकाश का उत्सव है। यह पर्व महज हमारे आसपास घरों के अंधेरों को ही दूर करने का नहीं बल्कि हमारे भीतर के अंधकार को प्रकाश में बदलने का पर्व है दिपावली।साहुकारपेट जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने दिपोत्सव के पूर्व संध्या पर शनिवार को आयोजित धर्मसभा में श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि जब मनुष्य अपने मन के काम क्रोध, लोभ,मोह का कचरा क्लोषित भावना ईर्ष्या -द्वेष आदि विकारों को दूर करके आत्मा मे ज्ञान का घी डालकर दीप प्रज्वलित करता है तो वह अपने अज्ञान रूपी अंधेरे को दूर करके जीवन मे खुशियों को प्राप्त कर पाएगा और आत्मा को संसार के बंधनों से मुक्त करवा सकता है ।साध्वी स्नेहप्रभा ने भगवान महावीर स्वामी की दिव्य धर्म देशना श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र के बत्तीसवें एवं तेतीसवें अध्याध्य पमायट्ठाणं और कम्मप्पयडी पाठ के अध्ययन प्रमाद और अप्रमाद का भेंद बताते हुए कहा कि प्रमाद संसार के आकर्षण कि ओर खिचता है और आसक्ति मे डूबोकर संसार में आत्मा को अटकाता और भटकाता है जबकि अप्रमाद करने पर आत्मा को संसार से मुक्ति की प्राप्ति होती है साहुकारपेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चंद सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया इस दौरान अनेक बहनों और भाईयो ने तेले तप,उपवास आयंबिल,एकासन और मौन के साध्वी वृंद से प्रत्याख्यान लिए जिनका श्री संघ के उपाध्यक्ष सुरेश चंद डूंगरवाल, शम्भेसिंह

कावड़िया मंत्री सज्जनराज सुराणा तथा महिला मंडल की बहनों ने अनूमोदना की ।दिनांक 14 नवम्बर मंगलवार को प्रातःकाल 7 बजें से 8:30 बजें तक महासती धर्मप्रभा जी दिपावली की पांच दिवसीय मौन साधना का आयोजित विषेश धर्मसभा मे सभी श्रध्दांलूओ को महामंगल प्रदान करेगें।

कविता

एक दीपक

एक दीपक लोकतंत्र की
शक्ति के नाम।
एक दीपक देश की
उन्नति और प्रकृति के नाम।
एक दीपक
मानवता के नाम।
एक दीपक घर के
बुजुर्गों के नाम ।
एक दीपक आपसी
भाईचारे के नाम।
एक दीपक हंसती
खिलखिलाती, मुस्कराती
परंपराओं को
पीढ़ी दर पीढ़ी
स्थानांतरण करती
बेटियों के नाम।
एक दीपक बचपन के
अल्हड़ के नाम।
एक दीपक युवाओं के
सतरंगी सपनों के नाम।
एक दीपक स्वस्थ्य
तन मन जीवन के नाम।
एक दीपक अंधकार को
दूर करता उजाले के नाम।
एक दीपक भक्ति
और शक्ति के नाम।
एक दीपक दीपावली
की राम-राम के नाम।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

पदम प्रभु भगवान के जन्म-तप कल्याणक महोत्सव मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्री पदम प्रभु भगवान के जन्म-तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रातः पूनम चंद सेठी के मुखारविंद से 108 रिद्धि मत्रों द्वारा बड़े बाबा पदम प्रभु भगवान सहित सभी प्रतिमाओं पर महामस्तकाभिषेक किया गया। लक्ष्मीकांत जैन एवं चांदमल जैन ने पदम प्रभु भगवान पर, राजेंद्र सोगानी ने आदिनाथ भगवान पर, अशोक पाटोदी ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। एवं अन्य प्रतिमाओं पर भी शांतिधारा की गई। कल्पना सोगानी के निर्देशन में पदम प्रभु भगवान की पूजा-अर्चना कर अर्ध समर्पण किये। इस अवसर पर कई श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थी। सायंकाल श्रीजी की आरती कर 48 दीपों से भक्तामर की महा आरती की गई।

जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभु का जन्म एवं तप कल्याण महोत्सव मनाया गया

राजा बाबू गोधा. शाबाश इंडिया

फागी। कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बीचला मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर,पारसनाथ जैन मंदिर, चंद्रप्रभु नसिया, चंद्रपुरी तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना, सहित सभी जिनालयों में विश्व वंदनीय जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निवाणोत्सव सोमवार 13 नवम्बर को भक्ति भाव के साथ मनाया जायेगा। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि इस मौके पर संपूर्ण देश सहित बिहार के पावापुर में राष्ट्रीय स्तर पर तथा दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में प्रदेश स्तरीय मुख्य आयोजन होगा। गोधा ने अवगत कराया कि इसी कड़ी में फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के सभी जिनालयों मे 13 नवम्बर को प्रातः शांति धारा, अभिषेक तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद भक्ति भाव से सामूहिक रूप से प्रातः 7:30 बजे भगवान महावीर का मोक्ष कल्याण दिवस एवं 2550 निवाणोत्सव मनाया जायेगा। कार्यक्रम इसी कड़ी में आज समाज सेवी सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, एवं चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कठमाना ने बताया कि शनिवार को आज प्रातः सभी जिनालयों में जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पद्म प्रभु का जन्म-एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव सोमवार को

राजस्थान जैन सभा द्वारा भट्टारक जी की नसियां में होगा मुख्य आयोजन। दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव सोमवार 13 नवम्बर को भक्ति भाव से मनाया जावेगा। इस मौके पर भट्टारक जी की नसियां में राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा मुख्य आयोजन तथा शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में होगा। सभा के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः 7:30 बजे से होने वाले इस आयोजन में समाजश्रेष्ठी विवेक - रुपा सेठी मुख्य अतिथि होंगे। समाजश्रेष्ठी सुनील - आरती पहाड़ियां दीप प्रज्जवलन करने होंगे।

मुनि जिनानन्द महाराज ने किये सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन

पाप से बचना-पुण्य में लगना ही धर्म है : मुनि जिनानन्द

जयपुर. शाबाश इंडिया। मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत आचार्य वसुनन्दी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि जिनानन्द महाराज ने शनिवार को प्रातः तारो की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त किए। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में मुनि श्री ने कहा कि भारत भूमि महान भूमि है। आपने श्रमण संस्कृति पाई है, जैन कुल पाया है यह आपके लिए सौभाग्य शाली है। वीतरागी प्रभू के चरणों में बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के योगो का आज ही के दिन निरोध हुआ था अतः आज धन्य तेरस है। मुनि श्री ने कहा कि पाप से बचना तथा पुण्य में लगना ही धर्म है। फल भावों से मिलता है क्रिया से नही। इससे पूर्व मुनि श्री बी टू बाई पास से ऋषभ मार्ग होते हुए कोटखावदा हाऊस पहुचे जहां विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई इस मौके पर मुन्ना देवी, दीपिका जैन कोटखावदा, कुसुम जैन साखुनियाँ एवं नवीन छाबड़ा, धनेश सेठी, अभय लुहाडिया सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। मंदिर जी में मुनि श्री के सानिध्य में अभिषेक, शांतिधारा की गई। प्रवचन के बाद मुनि श्री ने मीरा मार्ग जैन मंदिर के लिए मंगल विहार किया।

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
पूर्णिमा हैण्डीक्राफ्ट्स
शोरूम : डी-57, प्रथम मंजिल एम.जी.डी. मार्केट, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर फोन : 2311266
फैक्ट्री : एफ-118-120, गारमेंट जोन, सीतापुरा इण्डिट्रियल एरिया, जयपुर
info@poornimahandicrafts.com

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
इन्जी पी सी छाबड़ा-तिलक मती जैन
चेयरमैन 14वे राष्ट्रीय अधिवेशन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन इन्जीनियर्स सोसायटी इंटरनेशनल फाउंडेशन एवं चेयरमैन नोर्थ जोन, इन्स्टीट्यूट आफ इन्जिनियर्स इन्डिया राजस्थान सेन्टर के कार्य कारणी सदस्य, परम संरक्षक अतिशय क्षेत्र सांखना व अतिशय क्षेत्र निमोला, ट्रस्टी मथुरा चौरासी श्रमण ज्ञान भारती एवं इनवाटी मथुरा चौरासी
9414052412 , B-53, जनता कालोनी जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
नीरज जैन
महामंत्री - श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, मुरलीपुरा
सचिव - दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन, जयपुर
अध्यक्ष - दि. जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेश कासलीवाल
प्रचार प्रभारी
त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति
नीना कासलीवाल,
प्रियांक - प्रियांशी कासलीवाल
18 -ए विश्वेशरिया नगर त्रिवेणी रोड @ 9462191401

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

पदम चन्द जैन (बिलाला) - पुष्पा देवी बिलाला
CA पारस बिलाला-दीपिका जैन
Er. पहुप बिलाला-रूचिका जैन
आदिश्री, आदिश, आदित, आदिवा
निवास: 21, शिवा कॉलोनी, इमली फाटक, जयपुर-15
मो. 9314524888, 9314024888
फर्म
जैन पारस बिलाला एण्ड कम्पनी (CA)
कार्यालय :
50-क-2, ज्योति नगर, जयपुर- 05
-: शाखाएं :-
मुम्बई * नोएडा * कोटा * उदयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
एम.एस.ज्वैलर्स
मुकेश सौगानी 98290-56224
मनोज सौगानी 97999-98984
मनन सौगानी 97999-98981

MS Jewellerys
54 पहली मंजिल, कानोता मार्केट, हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर
2575224, 2571304

सभी प्रकार के चाँदी के बर्तन, जेवर एवं चाँदी के छत्र, सिंहासन, पाण्डुशिला, भामण्डल, पूजा के बर्तन, आरती, दीपक,
सभी प्रकार के जैन मन्दिर के आईटम एवं चाँदी,
सोने के सिक्के एवं चाँदी से निर्मित फर्नीचर के निर्माता एवं विक्रेता
mukeshsoganimsj@yahoo.co.in

दीपावली पूजन मुहूर्त

विनोद जैन ज्योतिषाचार्य. शाबाश इंडिया

जयपुर। प्रदोष काल शुभ,अमृत की चौघड़िया एवम स्थिर वृष लग्न में दीपावली,महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त जैसा कि पिछले कुछ वर्षों से दीपावली अर्थात कार्तिक कृष्ण अमावश्या तिथि का चौदस के दिन दोपहर बाद प्रारम्भ होना और अमावश्या वाले दिन प्रदोष बेला में तिथि न होकर दोपहर तक समाप्त होने से जन मानस में भ्रम की स्थिति बनती है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने कहा कुछ वर्षों से प्रदोष काल चतुर्दशी तिथि में आने से संशय बनता है जिससे छोटी दीपावली वाले दिन ही बड़ी दीपावली, महालक्ष्मी पूजन किया जाता है यानी छोटी और बड़ी दीपावली एक ही दिन रूप चतुर्दशी को हो रही है। जैन के अनुसार दीपावली पूजन मुहूर्त अमावश्या तिथि प्रारम्भ 12 नवम्बर रविवार दोपहर 14:44 बजे से प्रारम्भ होगी जो 13 नवम्बर सोमवार दोपहर 14:56 बजे तक अमावश्या तिथि समाप्त होजाएगी13 नवम्बर को शाम प्रदोष काल के समय अमावस्या नहीं रहेगी।

पूजन मुहूर्त

12 नवम्बर रविवार फेक्ट्री, व्यापार, दुकान स्थलों के लिए दीपावली, महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त- कलम, दवात, सामग्री, यंत्र रचना करने के लिए 12 नवम्बर रविवार लाभ एवं अमृत की चौघड़िया प्रातः लाभ 09:24 बजे से 10:44 बजे तक , अमृत 10:44 बजे से 12:05 बजे तक अभिजीत मुहूर्त 01:26 बजे से 02:46 बजे तक। दीपावली महा महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त :- प्रदोष काल, और शुभ की चौघड़िया शाम को 05:29 बजे से 07:07 बजे तक , प्रदोष काल और अमृत की चौघड़िया शाम 07:07 बजे से 08:45 बजे तक सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त :- शाम 05:29 बजे से 08:45 बजे तक प्रदोष काल स्थिर वृष लग्न एवम शुभ और अमृत की चौघड़िया में सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त है। महालक्ष्मी मंत्र जाप,साधना पूजन लिए - निशित काल रात्रि 11:35 से 12:28 बजे तक।निशित काल एवम सिंह स्थिर लग्न में रात्रि 12:09 से 02:40 बजे तक श्रेष्ठ मुहूर्त है।

जैन मुहूर्तः भगवान महावीर निर्वाण,गौतम गणधर /सरस्वती पूजन जो शुद्ध जैन आमना से पूजन करना चाहते हैं वो 13 नवम्बर सोमवार को महावीर निर्वाण लाडू के बाद से अमावश्या तिथि रहते तक दोपहर 14:56 बजे तक अपने अपने फेक्ट्री, व्यापार, दुकान, निवास आदि स्थलों पर पूजन करें।

13 नवम्बर सोमवार के मुहूर्तः- महावीर निर्वाण लाडू मुहूर्त प्रातः अमृत की चौघड़िया और स्थिर बृश्चिक लग्न में प्रातः 06:43 बजे से 09:30 बजे तक।इस उपरांत ही गौतम स्वामी/सरस्वती पूजन करे दूसरा मुहूर्त दोपहर स्थिर कुंभ लग्न में 13:26 बजे से 14:56 बजे तक अमावश्या तिथि के रहते तक श्री गौतम स्वामीजी /सरस्वती पूजन करना श्रेष्ठ एवं शुभ है।

जैन मंदिरों में गूंजे पद्मप्रभ के जयकारे, आचार्य चैत्य सागर महाराज का सानिध्य

पद्मप्रभ भगवान के जन्म व तप कल्याणक दिवस पर पदमपुरा में हुए विभिन्न आयोजन, जिले के मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई-चढ़ाया जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य

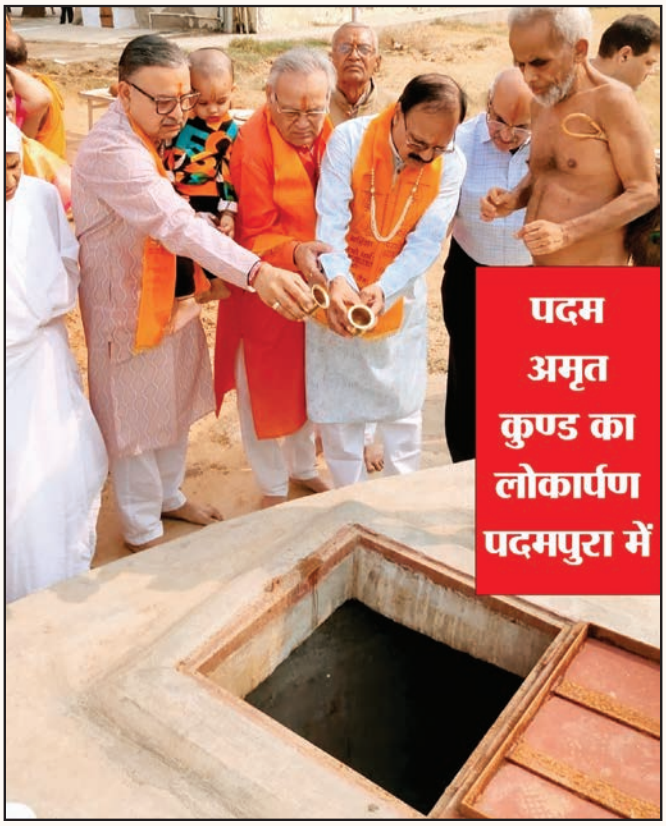

पदमपुरा, जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के छठे तीर्थंकर श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान का जन्म व तप कल्याणक आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में शनिवार, 11 नवम्बर को भक्तिपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर दिन भर धार्मिक आयोजनों की धूम रही। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि इस पर्व पर पदमपुरा में प्रातः मूलनायक भगवान पद्म प्रभ के जयकारों के बीच अभिषेक किये गये। तत्पश्चात विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार से शांतिधारा की गई। तत्पश्चात धर्म सभा में आचार्य चैत्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए जिसमें महाराज ने भगवान पद्मप्रभ के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर 12:00 बजे से भव्य पद्मप्रभ मंडल विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया गया। जिसमें हेमंत - पुष्पा सोगानी, राज कुमार कोठयारी, जितेन्द्र मोहन जैन सहित सभी इन्द्र - इन्द्राणियों ने भक्ति नृत्य किये तथा अष्ट द्रव्य से अर्घ्य चढ़ाएं। शाम को भगवान पद्मप्रभ की महाआरती के पश्चात 7:00 बजे से पद्मप्रभ चालीसा का पाठ किया गया।इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। इससे पूर्व प्रातः 11. 15 बजे नवनिर्मित भव्य कमल सरोवर का कमेटी पदाधिकारियों द्वारा आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज के सानिध्य में लोकार्पण किया गया। जैन के मुताबिक शुक्रवार 10 नवम्बर को पदम अमृत कुण्ड का भव्य लोकार्पण पुण्यार्जक परिवार देवेन्द्र मोहन-निर्मला जैन, सुरेन्द्र मोहन, नरेन्द्र, राजेन्द्र, जितेन्द्र मोहन कासलीवाल मालपुरा वालों द्वारा किया गया। जन्म व तप कल्याणक के मौके पर शहर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक दिगम्बर जैन मन्दिरों में प्रातः भगवान पदमप्रभू के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ ।

नेट थिएट पर दीपोत्सव

आज आनंद बरसा है संसार में... हम करें दीपों से स्वागतम स्वागतम

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज प्रसिद्ध गायक संजय माहेश्वरी ने अपने मधुर कंठ से गीत और भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को दीपावली के स्वागत का आगाज किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि गायक संजय माहेश्वरी ने संगीतकार पं. आलोक भट्ट द्वारा संगीतबद्ध किए भजन प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत तुलसीदास रचित भजन गणपति विघ्न विनाशन हारे से की। उसके बाद उन्होंने मेरे सामने आओ शिव शंभू मुझे दरश दिखाओ, शिव शंभू ,शिव शिव शिव शिव नाम सुमिर नर सकल मनोरथ पूरणकारी,धीरे से बहो गंगा मैया उस पार हमें जाना है, कितक दिन हरि सुमिरन बिन खोए (सूरदास)जो सुख होत गोपाल ही गाए (सूरदास)प्रस्तुत कर दशको को मंत्र मुग्ध किया। कार्यक्रम के अंत में दीवाली गीत से जो विशेष रूप से इस कार्यक्रम के लिए आलोक भट्ट द्वारा रचित और संगीतबद्ध किया गया था आज आनंद बरसा है संसार में, हम करें दीपों से स्वागतम स्वागतम सुनाकर सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन आलोक भट्ट ने किया। इनके साथ हारमोनियम पर शेर खान, तबले पर नवल डांगी, ऑक्टोपैड पर सतीश शर्मा और हारमोनियम पर बृजेश व्यास ने असरदार संगतकार दीपोत्सव कार्यक्रम में रोशनी पैदा कर इस संध्या को सुरमई बना दिया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, मंच व्यवस्था अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा की रही।

म्हारे आंगण फूलवल्ली... कुमकुम वल्ली... रंग और उमंग वल्ली... शुभ मंगल ये दीपावली... दीपावली तन- मन- धन और घर -आंगन का महापर्व है...

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मां लक्ष्मी के साथ मणिभद्र तथा कुबेर - कीर्ति और रिद्धि की आराधना का अनुपम अवसर और हर जीव की सामूहिक मंगलेच्छा का प्रतीक पर्व भी है दीपावली। द्वार से लेकर देहरी मुंडेर और नदी के तट से लेकर सरोवर के पिछोले तक दीपदान का उत्सव उजले धन, उजले तन, उजले मन संग गोधन और अपार अन्न की ऐसी प्रेरणा देता है जहां कोठार भरे हों, खेत हरे हों, बाधाएं और कष्ट परे हों.... दरअसल, मंगलमांगल्य का हेतु है यह पर्व... इसमें माटी के दीप से लेकर सोने की हटडी का उजास जो सदा ही आत्मसात होता है।

फोटो स्टोरी : राकेश शर्मा ' राजदीप'

पंडित टोडरमल स्मारक भवन में सोमवार 13 नवंबर को वीर निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी का 2550 वां निर्वाण महोत्सव सोमवार दिनांक 13 नवंबर को भक्ति भाव पूर्वक मनाया जायेगा। हीरा चन्द बैद ने बताया कि बापू नगर स्थित पंडित टोडरमल स्मारक भवन के पंचतीर्थ जिनालय पर स्थित भगवान महावीर स्वामी की निर्वाण स्थली पावापुरी जी की रचना पर भगवान महावीर स्वामी की भव्य खड्गासन प्रतिमा के समक्ष प्रातः 7 बजे से जिनेन्द्र प्रक्षाल व नित्य नियम पूजा के पश्चात 8.15 पर निर्वाण श्रीफल चढ़ाया जाएगा। 8.30 पर सीमंधर जिनालय में भी निर्वाण श्रीफल चढ़ाया जाएगा। 9 बजे से मुख्य प्रवचन हाल में दीपावली पर डा. शांति कुमार पाटिल का प्रवचन होगा। सांयकाल 7.30 से से पंचतीर्थ जिनालय पर आध्यात्मिक भक्ति का विशेष कार्यक्रम होगा।

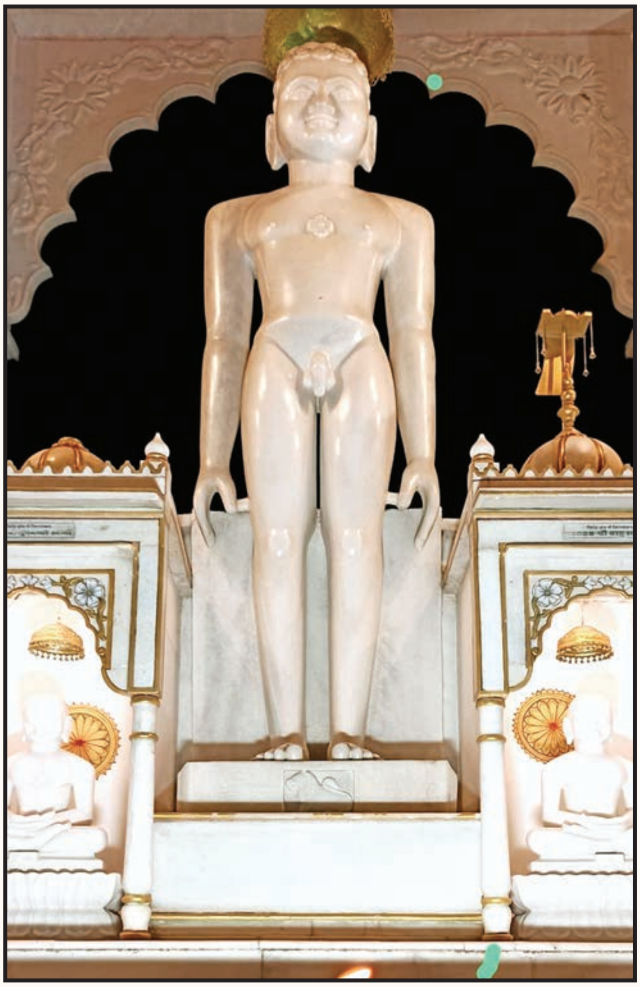

भगवान पद्म प्रभु स्वामी के जन्म एवं तप कल्याणक दिवस पर हुआ जलाभिषेक एवं पूजा पाठ

सनावद. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्म के छठवें तीर्थंकर भगवान पद्म प्रभु स्वामी का जन्म एवं तप कल्याणक शनिवार को मनाया गया। नरेश पाटनी,राकेश जैन, संतोष बाकलीवाल, जंगलेश जैन, सत्येंद्र जैन ने अभिषेक शांति धारा नित्य पूजा के बाद भगवान पद्म प्रभु स्वामी की पूजन की। अनेक श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि आज से हजारों वर्ष पूर्व जैन धर्म की वर्तमान चौबीसी के छठवें तीर्थंकर भगवान पद्म प्रभु स्वामी का जन्म इक्ष्वाकुवंशी राजा धरण तथा सुसीमा नाम की महारानी के राजमहल में कौशाम्बी नगरी में हुआ था। सौधर्म इंद्र ने अनेक इन्द्रो के साथ जाकर भगवान का पांडुकशिला पर 1008 कलशों से जलाभिषेक कर जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया। आपके जन्म के साथ आठ प्रकार के महाभय तथा दरिद्रता दूर हो गई थी तथा धन संपदा बढ़ने लगी। एक दिन बंधे हुए हाथी की पराधीनता देखकर आप सांसारिक भोगों से विरक्त हो गए तथा दिगंबर दीक्षा धारण कर तपस्या करने लगे। तपस्या भी आपने अपने जन्म दिवस पर ही आरंभ की थी। छः माह बाद केवल ज्ञान प्राप्त होने पर उन्होंने लोगों को धर्म उपदेश दिया तथा अनेक लोगों को दिगंबर दीक्षा देकर पावन तीर्थ सम्मेद शिखरजी से मोक्ष प्राप्त किया था। प्रियम जैन एवं धीरेंद्र बाकलीबाल ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर तथा आदिनाथ जिनालय में भी अभिषेक तथा पूजा पाठ कर श्रद्धालुओं ने पुण्य अर्जन किया।

सखी गुलाबी नगरी जयपुर

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष: सारिका जैन

सचिव: स्वाति सेठी

उपाध्यक्ष सुषमा जैन

उपाध्यक्ष अनिता जैन

सह सचिव मोनिका जैन

सह सचिव ममता सेठी

सह सचिव रितु जैन

कोषाध्यक्ष नेहा जैन

सांस्कृतिक मंत्री मनीषा जैन

ग्रीटिंग कोऑर्डिनेटर रेशमा गोदिका

पीआरओ आशा जैन

कार्यकारिणी सदस्य:- सुनीता कसेरा, अंशु जैन, नीलू जैन, निकिता जैन, रानी पाटनी, नीमा सोगानी, अनिता जैन, सुनीता जैन, इंदु जैन, सरोज जैन

एवं समस्त सदस्य सखी गुलाबी नगरी, जयपुर

जयपुर में 1.56 लाख दीयों संग गहलोत ने मनाई दीपावली

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में शनिवार को विद्याधर नगर स्टेडियम में 1 लाख 56 हजार दीये जलाकर दीपावली मनाई गई। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दीप प्रज्वलित कर दीपावली मनाई। इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। इस दौरान जयपुर की अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी भी मौजूद रहे। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल ने बताया- राजधानी में पहली बार कांग्रेस की ओर से इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हमेशा से मिशन 156 की बात करते आए हैं। कांग्रेस ने 2023 के चुनाव में 156 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। इसी का संदेश देने के लिए यह दीपावली उत्सव मनाया जा रहा है। स्टेडियम में दीपक से कांग्रेस का चुनाव चिन्ह 'हाथ' बनाया गया। इसके साथ ही 156 भी लिखा गया। दीपक से ही कांग्रेस की ओर से जारी 7 गारंटी योजना को भी लिखा गया है। दीप प्रज्वलन के साथ ही स्टेडियम में भव्य आतिशबाजी भी की गई।

दीपावली मिलन समारोह में रंगारंग प्रस्तुति हुई...

जयपुर. शाबाश इंडिया। गीत संगीत और कविता पाठ के साथ लोगों ने एक दुसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। मौका था आईआईएस(डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) कैंपस में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का। इस मौके पर मौजूद सभी लोगों के दमकते चेहरों पर त्योहारी मुस्कान दिखाई दी। इस मौके पर रंग रंग प्रस्तुति से कैंपस में दिवाली की रौनक व खुशियों से सराबोर हो गया। इसमें खासतौर से दीपावाली थीम पर आज और बीते दौर के फिल्मी तरानों के संग कविता पाठ ने माहौल में उत्सवी सुरूर के इन्द्रधनुषी रंग भर दिए।

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

सुनील बख्शी पुत्र स्व. श्री बख्शी भागचन्द जी

अध्यक्ष- दिगम्बर जैन मंदिर आदिनाथ स्वामी (बख्शीजी)
मानद मंत्री-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर
संयुक्त सचिव- श्री दिगम्बर जैन मंदिर महासंघ, जयपुर
मानद मंत्री- दिगम्बर जैन मंदिर चाकसू का चौक एवं जग्गा की बावड़ी
ट्रस्टी- धर्मशाला बख्शी जी, रामगंज बाजार, जयपुर
ट्रस्टी- साईबाबा संस्थान, जयपुर
ट्रस्टी- वीरागोदय तीर्थ धार्मधाम, पथरिया, दमोह, म.प्र.
एक्जीक्यूटिव कौंसिल मेम्बर- जीतो जयपुर चैप्टर
कार्यकारिणी सदस्य- द एम्पलॉयर एसोसिएशन ऑफ राजस्थान

175, विराग बख्शी चैम्बर, बख्शी जी का चौक, रामगंज बाजार, जयपुर, मो. 9829090242

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

Umrao Mal Sanghi
President
Shri Mahaveer Digamber Jain Shiksha Parishad
Jaipur

Naveen Sanghi
Director
Jain Saraogi Cold Storage
Jaipur

तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतो की सर्वकालीन उपादेयता सर्वसिद्ध है...

वर्तमान परिपेक्ष में महावीर के सिद्धांत पालन ही उपाय है विश्व शांति के लिए, विध्वंश को रोकने का कारगर हथियार एक मात्र अहिंसा है। वीर निर्वाण संवत सबसे प्राचीन-कार्तिक कृष्णा एकम से वीर निर्वाण संवत 2550 की शुरूआत

शाबाश इंडिया

जैन धर्म अनादि, अनंत, शास्वत धर्म है।जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अन्तिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है। भगवान महावीर का जन्म 599 ई. पूर्व क्षत्रीय कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर-वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में हुआ था। इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिशला था, इनके बचपन का नाम वर्धमान था। विभिन्न विशेष क्रियाओं एवं उत्कृष्ट कृत्यों के कारण इन्हें वीर, अतिवीर, सन्मति नामों से भी जाना जाने लगा। भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में मार्गशीर्ष कृष्णा दशमी के दिन गृह त्याग दिया था एवं मुनि स्वरूप गृहण कर लिया था। इसके पश्चात लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्य भाव की साधना की एवं पंचमहाव्रत आत्मसात किया। तदुपरान्त 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पद विहार कर महावीर स्वामी ने संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य धर्म को आम जन में प्रसारित किया। कार्तिक की अमावस्या के दिन पावापुरी में ईसा से 527 वर्ष पूर्व आपको निर्वाण प्राप्त हुआ। इससे दो दिन पूर्व कार्तिक कृष्णा तेरस को तीर्थंकर भगवान महावीर के समवशरण में अंतिम धर्मोपदेश हुए थे एवं समावशरण विसर्जन उपरांत अपनी सांसारिक भवों भवों के बंधनों को छेदने के लिए वर्तमान के जल मंदिर पावापुरी में योग निरोध धारण किया था जिस कारण यह कार्तिक कृष्णा तेरस धन्य हो गई थी। इस हुंडावसर्पिणी काल के 24 वे अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर सूक्ष्म क्रिया प्रतिपाती और व्युपरत क्रिया निवृत्ति शुक्ल ध्यान में लीन होकर चौदवें गुणस्थान के अंतिम दो समयों में अपनी शेष अष्ट कर्म प्रकृतियों का क्षय कर मोक्ष प्राप्ति के लिए ध्यानस्त हुए थे। यह धन्य तेरस है लेकिन समय के साथ हम श्रमण संस्कृति के अनुयायी - वर्तमान में जैन धर्मावलंबी भी अब इसे धनतेरस कहने लग गए हैं।इस पर्व का धन अर्थ से दूर-दूर तक का कोई संबंध नहीं है।इसी तरह चतुर्दशी भी नरक चौदस नही है।इस दिन भगवान महावीर की दिव्यध्वनी भले ही सुनने को नहीं मिली तथापि रूप के दर्शन अंतिम बार हुए थे, अतःयह रूप चतुर्दशी कहलाती है। पावापुरी के पद्म सरोवर पर योग की प्रवृत्ति को संकुचित करते हुए कार्तिक कृष्णा अमावस्या की प्रत्यूष बेला में, शेष चार अघातिया कर्मों के बंधन से छूट कर अष्टम भूमि सिद्धशिला अर्थात लोकाग्र पर जा विराजमान हुए ।भगवान महावीर के निर्वाण उपरांत सौधर्म इंद्र सहित सभी देवों ने उनके निर्वाण की पूजा कर महान उत्सव मनाया, जिसके परिणामस्वरूप इस भारत भूमि पर प्रत्येक कार्तिक माह की अमावस्या को प्रातः काल तीर्थ भूमियों, सिद्ध भूमियों, अतिशय क्षेत्रों एवं अपने-अपने

जिनालय में प्रभु की पूजन भक्ति कर सभी निर्वाण भूमियों और निर्वाण प्राप्त आत्माओं को याद कर निर्वाण लड्डू चढ़ाते हैं साथ ही अपनी खुशी का विस्तार करते हुए परस्पर में सौहार्द वात्सल्य स्वरूप धर्म की ज्योति का प्रकाशन करते हैं ।इसी दिन अमावस्या की काली रात होने पर भी गोधूलि बेला में भगवान महावीर स्वामी के प्रथम गणधर इंद्रभूमि गौतम स्वामी को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई । तब सौधर्म आदि सभी देवों की प्रार्थना पर केवलज्ञानी गौतम ने दिव्य ज्ञान प्रदान किया और सभी के अंतःकरण में विराजमान अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करते हुए सम्यक ज्ञान का प्रकाश प्रज्वलित किया।अब हम प्रतीकात्मक रूप में मिट्टी के छोटे छोटे दीपक जला कर अंधकार दूर कर प्रकाश प्रज्वलित करते है और दीपावली के नाम से उत्सव मनाते है। जैन धर्मावलंबियों द्वारा दीपावली का पूजन भी लक्ष्मी के रूप में निषेध है हम यदि पूजते हैं तो मोक्ष लक्ष्मी के रूप में पूजते ना कि धन लक्ष्मी के रूप में ।सरस्वती को पूजते हैं तो केवलज्ञान को पूजते हैं। निर्वाण लाडू एवं दीपमालिका भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक तथा गौतम गणधर के केवलज्ञान की भक्ति-पूजा का उत्सव है। दीपावली अहिंसा का पर्व है आतिशबाजी, बारूद, पटाखे चलाना निषेध है। भगवान महावीर एक विलक्षण सम्पूर्ण जीवन दृष्टा थे। उन्होंने कर्म सिद्धांत को अपनाया, कर्म करने पर जोर दिया।

@... पेज 19 पर

तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतो की सर्वकालीन उपादेयता सर्वसिद्ध है...

वर्तमान परिपेक्ष में महावीर के सिद्धांत पालन ही उपाय है विश्व शांति के लिए, विध्वंश को रोकने का कारगर हथियार एक मात्र अहिंसा है। वीर निर्वाण संवत सबसे प्राचीन-कार्तिक कृष्णा एकम से वीर निर्वाण संवत 2550 की शुरूआत

शाबाश इंडिया

यह संदेश दिया कि मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। इस तरह ईश्वर की सत्ता की जगह हम सब में ईश्वर बनने की क्षमता का संचार किया। यह संदेश दिया कि हमारे सुख-दुख के लिए हम स्वंय ज़िम्मेदार है। हमारे द्वारा किये गये कर्मों का फल हमें स्वयं ही भोगना है। भगवान महावीर के सिद्धांतों में से वर्तमान परिपेक्ष में अहिंसा, अनेकांतवाद व अपरिग्रह की विशेष उपयोगिता है। भगवान महावीर ने अहिंसा के सूक्ष्म से सूक्ष रूप का व्यापक विश्लेषण किया है। अहिंसा को जीवन शुद्धि का आधार बताया है। जीवों के परस्पर उपकार होते हैं। सभी जीव एक दूसरे पर आश्रित है। किसी के प्रति मन मे बुरे विचार आना, बदले की भावना से सोचना आदि को भी हिंसा की श्रेणी मे माना गया। विचारो से ही हमारी मनस्थिति विकसित होती है एवं तदनुसार हम प्रतिक्रिया देते है। सभी को जीने का अधिकार है। इस संसार मे सभी प्राणी किसी न किसी तरह से एक दूसरे से शक्तिशाली है, जैसे कि कोरोना एक सूक्ष्म वायरस था, लेकिन शक्तिशाली रूप में प्रकट हुआ एवं दो वर्ष तक मौत का तांडव किया। शान्तिपूर्ण जीवन के लिए अहिंसात्मक आचरण की आवश्यकता है। यदि संसार के तथाकथित शक्ति के केंद्र जैन धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के ऊपरी आवरण का भी पालन कर ले या समझ भी ले तो रूस एवं यूक्रेन, चीन एवं ताईवान, फिलिस्तीन (हमास) एवं इजराइल आदि देशों के बीच जारी भीषण विभित्सिका को रोका जा सकता है। युद्ध का अंत अवश्यंभावी है, लेकिन अहिंसा से ही संभव है। अहिंसा पालन जैन धर्म का एकाधिकार नहीं है, लेकिन मार्ग दर्शक जरूर है। सभी को अहिंसा के मार्ग पर आना होगा, इसके बिना और कोई दूसरा उपाय नहीं है। हमें किसी को भी मारने का अधिकार नहीं है। जैसे कि कुछ मानव मूक पशु-पक्षियों को मारकर खाना अपना अधिकार समझते है। यदि ऐसा है तो मानव अपने से निर्बल व्यक्ति को अपनी स्वार्थ पूर्ति हेतु मारने में एवं एक शक्तिशाली देश अपने से कमजोर देश को नष्ट करने मे नहीं हिचकिचायेगा और ये सिलसिला चलता रहेगा। इसका अन्त अन्ततः सृष्टि के विनाश के रूप में होगा। लेकिन महावीर ने सह अस्तित्व की अवधारणा को जन्म देकर इस सृष्टि को विनाश मार्ग पर जाने से बचा लिया, क्योंकि वर्तमान मे बहुत से लोग भगवान महावीर के सिद्धान्तों की येनकेन प्रकारेण पालन करते है। जीने का अधिकार प्राणी मात्र को है। किसी दूसरे के अच्छे जीवन की कामना से ही स्वयं का जीवन खुशहाल हो सकता है, यही सत्य है। मन, वचन और कर्म से अहिंसा को आत्मसात करने का संदेश समाज में स्थाई शान्ति के लिए महत्वपूर्ण है। भगवान महावीर ने किसी और पर विजय प्राप्त करने की बजाय,

जिसकी कोई आवश्यकता भी नहीं है, स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा दी। दूसरों का बुरा चाहकर कोई भी अपना भला नहीं कर सकता है। भगवान महावीर की अहिंसा के अमोघ हथियार को महात्मा गाँधी ने अपनाया और भारत को शक्तिशाली अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया। कोरोना काल ने महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता सर्व सिद्ध कर दी है। तीर्थंकर महावीर ने हमें अनेकांतवाद का दर्शन दिया। अनेकांत दृष्टि हमें सहिष्णु बनाती है, जीओ और जीने दो या सह अस्तित्व का उदार भाव प्रदान करती है। भगवान महावीर के अनुसार सबसे बड़ी बुराई वैचारिक मतभेद की है, और आज दुनिया इसी कारण संघर्ष कर रही है। वैचारिक मतभेद अनेक समस्याओं की जड़ है। महावीर ने मताग्रह छोड़ने एवं विचारों मे समानता तथा सहिष्णुता पैदा करने पर बल दिया। अनेकांत का अर्थ है वस्तु को अनेक गुणों या धर्मों में देखना। अनेकेअन्ताः धर्म्मः यस्मिन्‌स अनेकांत। महावीर ने कहा कि वस्तु के अनंत धर्मों और पर्यायों को अनन्त चक्षुओं से देखो, किसी एक कोण से नहीं। अनेकांत का सिद्धान्त पारस्परिक सौहार्द को बढ़ाता है मनमुटाव, द्वेष व जलन को दूर करता है। इस सिद्धांत को अपनाने से स्वयं, परिवार, समाज, देश व सम्पूर्ण विश्व में वैचारिक आतंकवाद का खात्मा किया जा सकता है। यह अवधारणा सभी समस्याओं का समाधान प्रदान करती है। भगवान महावीर अपरिग्रह का सिद्धान्त सीमित संसाधनों के साथ जीवन यापन करना सिखाता है। अधिक सम्पत्ति एकत्र करने के लिए हिंसा, झूठ, चोरी तथा कुशील का सहारा लेना पड़ता है। तनाव, चिन्ता और बीमारियों की जड़ परिग्रह है। यहाँ तक कहा गया है कि दान देने के लिए भी संग्रह नहीं करना चाहिए। अतः धन- धान्यादि वस्तुओं की सीमा निश्चित करना तथा उनमें भी कम आसक्ति रखना ही अपरिग्रहाणुव्रत है। हमारे पास आवश्यकता से अधिक संग्रह का जरूरत मंदो की अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति में कर सकते हैं। अपरिग्रह का सिद्धांत तो यही कहता है। जैन दर्शन एक नया चिंतन देता है। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र तीनों सही रूप में जीवन में उतारेंगे तभी जीवन की सार्थकता होगी एवं मोक्ष मार्ग प्रशस्त होगा। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति की दिशा में इन सिद्धांतों का प्रयोग किया। उन्होंने स्त्रियों के उत्थान के लिए दासता, सामाजिक समता, समान दर्जा आदि के लिए शुरूआत की। वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के साथ स्वच्छता, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जनसंख्या नियन्त्रण जैसे अभियानों के संदर्भ में भगवान महावीर के सिद्धांत अत्यधिक प्रासंगिक हो गये हैं। भूकम्प, सूनामी, आतंकवाद, हिंसा, जातिवाद, लिंगभेद आदि बुराइयों पर नियंत्रण पाने के लिए महावीर के सिद्धांत सार्थकता लिए हुए हैं। यद्यपि भगवान महावीर ने ईसा से 599-527 वर्ष पूर्व लोगों के जीवन दर्शन की राह दिखलाई थी तथापि 2550 वर्ष पश्चात भी उनके बताये गये सिद्धांत पूर्णतः प्रासंगिक है। कल-आज और कल हर समय प्रासंगिक है। कोरोना काल में महावीर के सिद्धान्त व जैन जीवन शैली पूर्णतया कारगर रही है। जीओ और जीने दो- जिसमें मांसाहार का निषेध है- यदि हम सबने शाकाहार को अपनाया होता तो कोरोना की उत्पत्ति ही नहीं होती। सवेरे सूर्योदय से पहले उठना, गरम पानी पीना, योग-ध्यान करना- आध्यात्म में मन लगाना, शुद्ध व सात्विक भोजन करना, रास्ते में नहीं थूंकना- जैन साधुओं को थूंकने का त्याग होता है, अनुशासित जीवन जीना, वृक्षों को नहीं काटना एवं वृक्षारोपण करना सूर्यास्त के पश्चात भोजन ग्रहण नहीं करना आदि जैन जीवन शैली के अंग है। जैन धर्म केवल जैनियों का ही धर्म नहीं है, जैन धर्म के सिद्धान्तों की पालना करके कोई भी जैन बन सकता है एवं अपना जीवन सार्थक कर सकता है। ज्ञात रहे कि बहुत से जैन मुनि ब्राह्मण, राजपूत आदि अन्य धर्मों के मानने वाले रहे हैं। सभी जैन तीर्थंकर राज घराने से सम्बन्धित रहे हैं। क्या किसी भी जीव को सताए बिना, मारे बिना, लड़ाई किए बिना कोई वीर, अतिवीर, सन्मति वीर एवं महावीर बन सकता है? जी, हां महावीर के प्रतिपादित सिद्धांत एवं महावीर के जीवन से यही प्रेरणा मिलती है। जीओ और जीने दो, अहिंसा परमो धर्मः, परस्परोप ग्रहो जीवानाम्की अवधारणा को जन मानस द्वारा आत्म निर्भर सात करना है। विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त करने का एक मात्र उपाय महावीर के बताए पथ पर आगे बढ़ना है।

वीर निर्वाण संवत सबसे प्राचीन संवत

विभिन्न धर्मों में अपने महान व्यक्तियों के नाम से संवत चलाने की प्रथा रही है। जैनधर्म में भी भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के आधार पर वीर निर्वाण संवत का प्रचलन है। यह विक्रम, शक, ईसवी, गुप्त, हिजरी आदि सम्वतो से अधिक पुराना है एवं जैनधर्म की प्राचीनता व अपनी स्वतंत्र पहचान का परिचायक है। निम्नवत सूचना से हम समझ सकते है वर्तमान में प्रचलित संवत कितने वर्ष पूर्व प्रचलन में आए हैं।

1.वीर निर्वाण संवत– भगवान महावीर के निर्वाण होने से अगले दिन ही 2550 वर्ष पूर्व कार्तिक शुक्ल एकम से प्रारम्भ हुआ।

2. विक्रम संवत – राजा विक्रमादित्य के समय में 2080 वर्ष पूर्व एवं महावीर निर्वाण के 470 वर्ष बाद प्रारम्भ हुआ।

3. ईस्वी संवत– यह संवत ईसामसीह के देहावसान पश्चात 2023 वर्ष पूर्व यूरोप में प्रचलित हुआ और विश्व के समस्त देश इसे अपनाते है। यह भगवान महावीर निर्वाण के 527 वर्ष के पश्चात प्रारम्भ हुआ।

4. शक संवत– यद्यपि यह संवत वित्त, बैंकिंग क्षेत्र में प्रचलन में है। यह संवत भृत्यवंशी गौतमी पुत्र राजा सातकर्णी शालीवाहन ने 1945 वर्ष पूर्व, जो कि भगवान महावीर के निर्वाण के 605 वर्ष पश्चात शुरू हुआ।

5. गुप्त संवत – वर्तमान में प्रचलित नही है। इस संवत की स्थापना सम्राट चन्द्रगुप्त ने 1704 वर्ष पूर्व अपने राज्याभिषेक के समय की। भगवान महावीर निर्वाण के 846 वर्ष पश्चात यह संवत शुरू हुआ।

6. हिजरी संवत – यह संवत हजरत मोहम्मद के मक्का से मदीना जाने के समय 1445 वर्ष पूर्व से एवं वीर निर्वाण के 1120 वर्ष पश्चात स्थापित हुआ। इसी को मुहर्रम या शवान सन्‌ भी कहते हैं।

स्पष्ट है कि सबसे प्राचीन प्रमाणिक सम्वत- वीर निर्वाण संवत 2550 वर्ष पूर्व का है एवं प्रचलन में है। इस बात का प्रमाण आमेर म्यूजियम में रखे शिलालेख से भी मिलता है। इसके साथ ही भारतीय साहित्य के ग्रंथ भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। सुप्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता डॉक्टर गौरी शंकर हीराचंद ओझा द्वारा वर्ष 1912 में अजमेर जिले में बड़ली गांव भिनय तहसील राजस्थान से प्राप्त ईसा से 443 वर्ष पूर्व के 84 वीर संवत लिखित एक प्राचीन प्राकृत युक्त ब्राह्मी शिलालेख में उल्लेख है। यह शिलालेख अजमेर के राजपूताना संग्रहालय में संग्रहित है। इसी तरह वीर और शक युग के बीच का संबंध आचार्य वीरसेन द्वारा टिथोगाली पेंनया और धवला में दिया गया है: पंच य मासा पंच य वास छच्चेव होन्ति वासस्या, परिनिवुअस्स अरिहितो तो उप्पन्नो सगो रया।

अर्थात निर्वाण शक संवत से 604 वर्ष, 5 महीने और 11 दिन पहले हुआ। जैन परंपरा में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाणोत्सव के अगले दिन से नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। प्राचीन व प्रमाणिक 2550वाँ जैन वीर निर्वाण संवत 14 नवंबर 2023 से शुरू होगा। जैन व्यवसायी ही नहीं बल्कि अन्य समुदाय के व्यवसायी भी, आयकर ऐक्ट की बाध्यता से पूर्व, परंपरागत रूप से अपना लेखांकन वर्ष दीपावली से ही शुरू करते थे।

संकलन: भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

जिला कलेक्टर दीक्षित ने कहा...

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत जनता एप के जरिए करें

अजमेर. शाबाश इंडिया

जिला कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी डा. भारती दीक्षित ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में यदि कहीं आचार संहिता का उल्लंघन दिखाई देता है तो एप के जरिए उसकी शिकायत कोई भी आमजन कर सकता है। जिस पर अगले 15 मिनट में कार्यवाही का प्रावधान है। कलेक्टर कार्यालय में मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग इस एप से जुड़ें और निष्पक्ष चुनाव कराने में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के 15 मिनट के भीतर जांच का प्रावधान है यदि शिकायत सही मिलती है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद सभी सरकारी भवनों से राजनीतिक दलों से पोस्टर बैनर हटाने का काम शुरू कर दिया गया और इसके बाद नीजि भवनों पर भी यही कार्यवाही दोहराई गई। उन्होंने बताया कि अजमेर उत्तर व किशनगढ़ में 78 अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र चिन्हित किए गए है जहां 12 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी इसके अलावा उन केंद्रों को निगरानी में ले लिया गया है। डा. दीक्षित ने बताया कि इसके अलावा 48 शिलापट्टों को ढक दिया गया है। उनका कहना था कि किसी भी तरीके से शांति भंग करने का प्रयास किया तो तुरंत कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा वोटर हेल्पलाइन डेस्क भी शुरू की गई है जिसमें मतदाता अपने मतदान से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में पेड़ चिन्हित करके उस पर संकल्प पत्र भरवा कर बांधा जाएगा।

तीर्थंकर महावीर निर्वाण एवं गौतम गणधर केवलज्ञान प्राप्ति महोत्सव पर सभी को बधाई

जैन धर्म संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समर्पित

श्रीमती रूक्मणी देवी परिवार-मनोरमा-भागचंद, आशिका-आशीष, प्रियंका-आशीष, श्रेयांसि, अधीश जैन एवं मित्रपुरा परिवार

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव एवं
दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

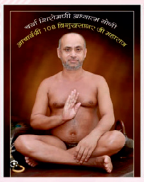

चर्या शिरोमणि आचार्य
श्री विशुद्ध सागर जी महाराज
की असीम अनुकम्पा से

गौ मुखी

शिव कुमार अग्रवाल
9414889892
मनन गर्ग
9461558762

गौमुखी ब्राण्ड
शुद्ध सरसों तेल

जहां शुद्धता हमारी पहचान है
वहीं आपका विश्वास है

गोविन्द उद्योग
दत्तवास मोड़, दत्तवास जिला टोंक (राज.)

उपलब्ध
विवेक डिपार्टमेंटल स्टोर
पुरानी सब्जी मंडी, निवाई
सम्पर्क:- 9530275384, 9079680112, 7737394073

सम्बंधित फर्म
गोविंद नारायण
गुलाब चंद
एफ-17 निवाई कृषि मंडी

राज्यपाल मिश्र ने दीपावली के पावन पर्व पर हुई रोशनी को निहारा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को दीपावली के पावन पर्व पर शहर में जगह–जगह पर की गयी विशेष रोशनी को देखने राजभवन से निकले। उन्होंने जगह–जगह गाड़ी रुकवाकर कोई डेढ़ घंटे तक शहर में की गयी दिवाली की जग–मग रोशनी को मुग्ध मन से निहारा। उन्होंने कहा कि दीपावली रोशनी का पावन पर्व है। यह हमें अंधकार से प्रकाश की ओर गमन करने की सीख देने वाला त्योहार है। राज्यपाल मिश्र राजभवन चौराहे से होते हुए पहले बाईस गोदाम, स्टेच्यू सर्किल, एम.आई. रोड होते हुए पांच बत्ती पहुंचे। वहां कुछ देर ठहर कर उन्होंने दीपावली पर की गयी तरह–तरह की लाइटिंग को देखा। बाद में यहां से वह अजमेरी गेट, किशनपोल बाजार, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़ आदि से रामनिवास बाग होते हुए जेडीए सर्किल और आस–पास की गयी रात्रि रोशनी को निहारा। मार्ग में उन्होंने कई स्थानों पर गाड़ी रुकवाकर घरों और व्यावसायिक संस्थानों पर की गयी रोशनी का अवलोकन किया। रामबाग होते हुए वह जवाहरलाल नेहरू की राह से गौरव टावर, वर्ल्ड ट्रेड पार्क और जवाहर सर्किल होते हुए पत्रिका गेट आदि पर पहुंचे। वह यहां कुछ देर ठहरे। इन स्थानों पर की गयी विशेष रोशनी को भी गाड़ी रुकवाकर उन्होंने विशेष रूप से देखा और उसकी सराहना की।